



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 143]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 23, 1980/आष्ट्रण 1, 1902

No. 143]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 23, 1980/SRAVANA 1, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. : 30 आई०टी०सी० (पी०एन०) /८०

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

विषय:—आस्ट्रियन पूँजीगत माल क्रेडिट 1979 के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र और नियोजित के आयातों के लिए लाइसेंस दाताने।

मिसिल सं. आई०टी०सी०/23/4/80 :—आस्ट्रियन पूँजीगत माल क्रेडिट 1979 के अधीन आयात लाइसेंसों के निर्गमन को नियंत्रित करने वाली वे शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट 1 एवं 2 में दी गई हैं, जानकारी के लिये अधिसूचित की जाती हैं।

मणि नारायणस्वामी,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

परिशिष्ट—1

आस्ट्रियन पूँजीगत माल क्रेडिट 1979 के अन्तर्गत सार्वजनिक क्षेत्र आयातों के लिए लाइसेंस जारी करने के लिए शर्तें।

1. लाइसेंस 12 मास की प्रारम्भिक वैधता अवधि के लिये जारी किये जायेंगे किन्तु अस्ट्रियन संभरकों को पक्के आदेश लागत-बीमा-भाड़/नागत तथा भाड़ा आधार पर दिये जाने चाहिये और इनकी प्रतियां आबंटन की तरीख से छः मास के भीतर या आयात लाइसेंस जारी करने की तरीख से चार मास की अवधि (इनमें जो भी पहले हो) के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य निभाग को भेजी जावें। “पक्के

आदेश” का अर्थ है कि वह क्रम आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा विदेशी संभरक को दिया गया हो और उसके साथ बाद वाले से पुष्ट पद्धति भी लगाया गया हो या वह क्रम आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी और विदेशी संभरक दोनों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हो। यदि पक्के आदेश चार मास की नियंत्रित अवधि के भीतर नहीं दिये जा सकते हों तो लाइसेंसधारी को जैसा भी सामला हो मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण (सी०सी०आई०ए०ए०) या अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को आदेश देने में समय वृद्धि के लिये सुझाव भेजना चाहिए और उस सुझाव में उसे यह औचित्य भी देना चाहिये कि प्रारम्भिक वैधता अवधि के भीतर आदेश क्यों नहीं दिये जा सकते। आदेश देने की अवधि में समय वृद्धि से सम्बद्ध ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक मासले में गुण दोष के आधार पर विचार किया जायेगा और वे अधिक से अधिक दो मास तक की और समय वृद्धि प्रक्रान्त कर सकते हैं। लेकिन यदि समय वृद्धि आयात लाइसेंसों के जारी होने की नारीख से 6 मास परे के लिये मांसी नई हो तो ऐसे आवेदन निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा आर्थिक कार्ब विभाग (आई०ए० अनुभाग), वित्त मंत्रालय को भेजे जावें। लाइसेंस कोड “एस०” और “ए०ए०” लाइसेंस सं. के बाद पहले और हितीय प्रत्य में संकेतित होने चाहियें। सही लाइसेंस कोड का प्रयोग सभी नियंत्रण वस्तावकेजों और साथ ही नाथ “एस०” प्रपत्र में किया जाना चाहिये जो स्थाया नियंत्रण करने समर भारतीय बैंक को भेजने अपेक्षित है।

2. केवल आस्ट्रियन मूल के पूँजीगत माल ही इस क्रेडिट के अन्तर्गत वित्तदान के लिये पात्र है।

3. याइर्में भारत से प्रेषणों के लिये वैध नहीं होगा । आस्ट्रियन मंभरकों को भुगतान नीचे की कंडिका 6 से 10 में निर्धारित किलो-त्रिक्षिके अन्तरार ही किये जा सकते हैं ।

4. भारतीय आयातक और आस्ट्रियन संभरण के बीच संभरण-संविदा में लाइसेंस शर्तों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुमार आस्ट्रियन पूँजीगत माल केबिट 1979 में से आयातों के वित्तवान के लिये व्यवस्था होनी चाहिये और यह भारत सरकार द्वारा अनुमोदित के भी अधीन होनी चाहिये । आयातकों को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिये कि वे इस शर्त के बारे में संभरकों को सूचिल कर दें और इस संबंध में उभरण संविदा वें जी एक बारा जौह दें । इनके अलावा अनुमोदित प्रारेष वित्त मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग (आईएओ अनुमान) की पूर्व अनुमति के बिना रद्द नहीं किये जाने चाहियें ।

5. संविदा का मूल्य केवल आस्ट्रियन पार्लियर में ही अस्त किया जाना चाहिये । संविदा में सामान्यतः लदात वस्तावेंजों को प्रस्तुत करने पर आस्ट्रियन पूरीगत माल क्रेडिट 1979 में से नकद भुगतान के लिये वस्तव्य होना चाहिये । किसी भी प्रयापत निवादन गारंटी के लिये संसद को वैकं गारंटी प्रस्तुत करने के लिये कठा जा सकता है ।

6. संविवा पूर्ण हो जाने के तुरन्त आवश्यकता को संविवा के अपेक्षा प्रामित्रियन प्राधिकारियों का अनुमोदन प्राप्त करने के लिये वित्त विभाग, आधिक कार्यविभाग, प्राइवेट अनुसारग से अनुरोध करना चाहिए। इस आवेदन के साथ संविवा/विभरण आदेश की ओर फॉटोस्टेट/मार्गित प्रतियां और आवात लाहसेस की एक फोटो स्टेट प्रति भेजी जानी चाहिए। संविवा/विभरण आदेश के साथ निम्नलिखित सूचना भी अधिक कार्यविभाग को भेजी जानी चाहिए।

(1) मायात लाइसेंस के विस्तृत और
(क) सं०
(ख) जारी करने की तारीख
(ग) मूल्य
(2) मायातक का नाम और पता
.....
(3) आस्ट्रियन संभरक का नाम और पता
(4) आस्ट्रियन शिर्पिंग में संविदा/धावेश का मूल्य
(5) मायात किये जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण
(6) संभरण की तारीख (संभरकों को
भुगतान की राशि और संभावित
तारीख को वर्णित हुए एक अनुसूची
भी भेजी जाये)
(7) लदान दस्तावेज की विस्तृत सूची,
जैसे अवश्यक बिल, बीजक, उद्गम
प्रमाणपत्र आदि जिसकी मांग
आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक संभरकों से
भुगतान करने से पूर्व करे और इस
के साथ प्रत्येक दस्तावेज के लिये
अपेक्षित प्रतिया
(8) यदि कोई हो तो संविदा में शामिल
किया गया भारतीय अधिकर्ता का
पारीशन (धनराशि या प्रतिशत का
संकेत किया जाना है) (मायातक
द्वारा भारतीय अधिकर्ता का

कमीशन रूपये में किया जायेगा और उसे प्राधिकार पत्र के मूल्य में नहीं शामिल किया जायेगा।

(9) राष्ट्रीयकृत दैक्ष की वह शाश्वत जिसकी प्रास्त्रियत राष्ट्रीय दैक्ष द्वारा मूल वस्तावेज (प्रकाश्य) भेजे जाने हैं

(10) वह तारीख जिस तक प्राप्तिवान
राष्ट्रीय बैंक के लिये प्राप्तिकार
पद वैष्ण द्वारा चाहिये.....

(11) विशेष अनुदेश यदि कोई हों

7. उपर्युक्त कठिना 6 में अरोग्यता संविदा/संभरण प्राविदं की प्रतिवादी और जानकारी प्राप्त होने के बाद अधिक कार्य विभाग (प्राइवेट ए प्रनुभाग) संविदा को एक प्रति प्राविद्युत राष्ट्रीय रूप, बेन को सेवेगा और हमके साथ लदन बस्तावेजों के महे संभरकों के लिये भूगतान प्राधिकृत करने का एक प्राधिकरण पत्र (प्रनुभव-1) में वर्णिये प्रपत्र के रूप में) भी सेवेगा।

8. भास्टियन राष्ट्रीय बैंक से सवात और अन्य इस्तावेंजों की पाबंदी के 10 दिनों के भीतर भाग्यातक का बैंक नीबैंकिंग 9 में यथा संकेतित सरकार के लेख में संभरकों को प्रदा की गई छन्तारणि के बराबर रूपये और इसके साथ विदेशी संभरकों को सुगतान की तारीख से बास्तविक निक्षेप की तारीख तक (दोनों दिनों को लेने हुए) सार्वजनिक सूचना सं० 46-प्राई० टी० सी०(पी०एन०)/76 दिनांक 16-८-१९७६ में यथा निर्धारित प्रथम 30 दिनों को अवधि के लिये 9% की दर से और 30 दिनों से अधिक प्रवधि के लिये 15% की दर से ब्वाज की जमा कराने की अवस्था करेगा। इस प्रयोजन के लिये भास्टियन गिलिंग में किये गये भूगतान सार्वजनिक सूचना सं० 15-प्राई०टी०सी०(पी०एन०)/72 दिनांक 28-१-१९७२, सार्वजनिक सूचना सं० 108-प्राई०टी०सी०(पी०एन०)/72 दिनांक 21-७-१९७२ और सार्वजनिक सूचना सं० 8-प्राई०टी०सी०(पी०एन०)/76 दिनांक 17-१-७६ में निहित जातों के घनुसार रूपये में परिवर्तित करने होंगे। इस दर में कोई परिवर्तन होने पर उसे जब आवधक समझा जायेगा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अधिसूचित कर दिया जायेगा। इस बात का सुनिश्चय करने की आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देश धनराशि प्रांडिंगों को भाग्यात इस्तावेंमें सौपने से पूर्व सरकार के लेख में सही रूप से जमा करवा दी जाती है। आयातक को इस बात का सुनिश्चय करना चाहिये कि अपने बैंकसे से इस्तावेंजों की सुवृद्धी लेने से पूर्व धनराशि सरकार के लेख में सही रूप से जमा करवा दी जाती है।

9. उपर्युक्त कांडिका 8 के अन्तर्गत आने वाले निक्षेप मार्त्त्यनिक सूचना 233-प्राई०टी०सी० (पी०एन०/68, दिनांक 24 अक्टूबर, 1968 और मार्त्यनिक सूचना सं०-132-प्राई०टी०सी० (पी०एन०/71, दिनांक 5 अक्टूबर, 1971 में यथा निर्धारित मरणकार के लेख में जेहिंठ के सिए नकद में या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई विल्सनी या भारतीय स्टेट बैंक, दीम हजारी, दिल्ली में किए जा सकते हैं या ये निक्षेप मार्त्यनि स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली-6 के अधिकर्ता के नाम में दर्शनी बुझी के माध्यम से किए जा सकते हैं। जिस लेखा शीर्ष के प्रवीन निक्षेप किया जाएगा वह इस प्रकार है “क० डिपोजिटस एण्ड एडवानसेम (ब) डिपोजिट नाट ब्यैंकिंग इन्स्ट्रुमेंट्स-843 मिलिल डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार पर्सेजिंग एसेट्रा अब्राहाम पर्सेजिस अन्डर प्रास्ट्रियन फैविल गुड्स एडिट 1979”।

राजकोष वालान में निरपेक्षित और निरपेक्ष रूप से भरने चाहिए। (सार्वजनिक सूचना सं० 74-प्राईटी सी (पी एन/74, विनाक 31-5-1974 पी देखें जिसमें परिसोचित वालान प्रपत्र नियारित किया गया है जो निरपेक्ष रूप से ऐसे प्रवणों के लिए उपयोग में लाना चाहिए)।

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की सं० तथा दिनांक आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट, 1979 ।

(ख) विदेशी मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ रूपया निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरकों को भुगतान की तारीख ।

(घ) अदा की गई धनराशि का व्याज और उसकी गणना किस अवधि तक की गई है ।

(ङ) निक्षेप की गई कुल धनराशि (व्याज की गणना संभरकों को भुगतान करने की तिथि से सरकार के लेखे में समतुल्य रूपया जमा कराने तक की अवधि) (दोनों दिनों को लेते हुए) के लिए की जानी है ।

10. भारतीय रिजर्व बैंक से या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली से चालान की एक प्रति या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी के पास दर्शनी हुंडी (डिमाण्ड ड्राफ्ट) जमा करने के बारे में सूचना आयातक के बैंक द्वारा सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय जीवन द्वीप बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 को भेजी जानी चाहिए और इसके साथ एक अप्रेषण पत्र भी भेजा जाना चाहिए जिसमें आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक से प्राप्त परामर्श टिप्पणियों के पूर्ण व्यैरे दर्शाए जाएं ।

11. आयातकों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे अपेक्षित रूपया निक्षेप केवल प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से ही करें और सार्वजनिक सूचना सं० 184 आई टी सी (पीएन)/68, दिनांक 30 अगस्त, 1968 में यथा आवश्यक लाइसेंस की मुद्रा विनियम प्रति पर उससे पृष्ठांकन भी करा लें। उन्हें यह भी चाहिए कि वे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित अपेक्षित “एस” प्रत्यक्ष को भरें।

12. इसे भली भांति से जान लेना चाहिए कि यदि लाइसेंसधारी और संभरक के बीच मे किसी प्रकार का झगड़ा हो जाता है तो भारत की सरकार इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराई जाएगी ।

13. आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 के अधीन सभी आभारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गये निवेशों या अनुदेशों या अविशेषों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा। आयातक अनुबन्ध-3 के अनुसार एक तिमाही रिपोर्ट भी (अनुबन्ध-2 के अनुसार दो प्रतियों में) वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (आई-ए अनुभाग) और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जीवन द्वीप बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को भेजेगी ।

14. उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी ।

आनुबन्ध-1
प्रियसिल सं०
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
नई दिल्ली, दिनांक :

प्रबन्धक,
आस्ट्रियन नेशनल बैंक,
आंटो वागनर प्लेट्ट 3,
विधान-IX (आस्ट्रिया)
प्रिय श्री,

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979—प्राधिकार पत्र सं० :

हमें के मद्दे
आस्ट्रियन शिलिंग के लिए सर्वश्री द्वारा सर्वश्री
.....

..... को दिए गए आदेश सं० दिनांक
..... के संदर्भ की ओर आपका ध्यान दिलाना है। हम एतद्वारा आपको संलग्न विवरण में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार सर्वश्री को
आस्ट्रियन शिलिंग (..... आस्ट्रियन शिलिंग) तक की धनराशि का भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करते हैं। अनुरोध है कि सर्वश्री द्वारा प्रस्तुत किए गए बीजक, लदान संबंधी और अन्य दस्तावेज सीधे ही (बैंक) की भेजे जाएं।

2. उपर्युक्त पैरा 1 में दर्शाई गई धनराशि भारत सरकार और आस्ट्रियन संघीय सरकार के बीच दिनांक 1 फरवरी, 1980 को हुए समझौते के अनुच्छेद 2 और 3 में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार भारत सरकार द्वारा चुकाई जाएगी।

3. कृपया इस साख पत्र के मद्दे किए गए भुगतानों के बारे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय, नई दिल्ली की भेजे जाएं और उसे लदान और अन्य निर्धारित दस्तावेजों की एक प्रति के साथ नामे डालने के लिए सूचना भी भेजी जानी चाहिए।

4. यह प्राधिकार पत्र दिनांक मास 198 तक बैंध रहेगा।

भवदीय,

जानकारी के लिए प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. (बैंक)
उन्हें यह सुनिश्चय करना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 15-आई टी सी (पी एन)/72 दिनांक 28 जनवरी, 1972, सार्वजनिक सूचना सं० 108-आई टी सी (पी एन)/72 दिनांक 21 जुलाई, 1972 सार्वजनिक सूचना सं० 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-1976 और समय समय पर जारी की जाने वाली ऐसी ही अन्य सार्वजनिक सूचना में निहित भिन्नित दर पर गणना किए गए ह्याए की समतुल्य धनराशि और उसके साथ उस पर संभरक को भुगतान करने की तिथि से सरकारी लेखे में धनराशि जमा करने की तिथि तक के लिए सार्वजनिक सूचना सं० 46-आई०टी०सी० (पी एन)/76, दिनांक 16-6-1976 में दो गई दर पर व्याज आयातक को मूल दस्तावेज रिहा करने से पूर्व जमा करा दी गई है।

2.

3.

4.

“आस्ट्रियन पूंजीगत माल साख 1979” समझौता दिनांक 1 फरवरी, 1980 के अन्तर्गत आस्ट्रियन नेशनल बैंक, विधान को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र सं० के अन्तर्गत भुगतानों के लिए शर्तें :—

का आदेश
के नाम में
की धनराशि

निम्नलिखित दस्तावेजों के प्रस्तुतीकरण के मद्दे देय हैं :—

का पोतलदान पूरा करने के लिए
मूल्य :

विवरण की शर्त : (उदाहरणार्थ जहाज पर्यन्त निःशुल्क, लागत एवं भाड़, लागत-बीमा-भाड़ा)

वितरण के लिए समयः

आंशिक पोस्टलदानों की अनुमति/नियम है।

विशेष अनुदेशः

(उदाहरण के लिए बीजक की धनराशि का 100% एकदम भुगतान नहीं किया जाना है)

अनुबन्ध-2

आस्ट्रियन पूँजीगत माल साल 1979 के संबंध में उपयोग रिपोर्ट का प्रपत्र
(प्रथम लाइसेंस के संबंध में अलग-अलग भेजा जाना है)

1. आयातक का नाम

2. आयत लाइसेंस की संख्या एवं दिनांक

3. आयात लाइसेंस का मूल्य

4. दिए गए आदेशों का मूल्य

5. अभी विए जाने वाले आदेशों का मूल्य

6. पहले ही दिए गए आदेशों के महे

किया गया भुगतान

7. अभी किए जाने वाले भुगतान (मूल्य एवं

भुगतान की संभावित तिथि के साथ

भुगतानों के तिमाही अनुपात के साथ)

8. अन्यपर्ण, यदि कोई है

आयातक के प्राधिकृती प्रतिकारी के हस्ताक्षर

अनुबन्ध-3

आस्ट्रियन पूँजीगत माल साल 1979 के अन्तर्गत उपयोग की तिमाही रिपोर्ट को
प्रसारित बाला

विवरण

1. आयातक का नाम

2. आयात लाइसेंस की संख्या एवं दिनांक

3. आयात लाइसेंस का मूल्य

4. प्राधिकार पत्र की संख्या एवं दिनांक

5. प्राधिकार पत्र की धनराशि

6. प्राधिकार पत्र की वैधता की तिथि

7. दिए गए आदेशों का मूल्य

8. तिमाही के दौरान उपयोग में लायी

गई धनराशि

9. उपयोग में लाई गई कुल धनराशि

10. सरकारी लेबों में जमा की गई कुल धनराशि

11. आव बाली तिमाही के दौरान किए जाने वाले
भुगतान (तिमाही बार आकर्षे हैं)

12. अन्यपर्ण, यदि कोई है

आस्ट्रियन शिलिंग

आस्ट्रियन शिलिंग

रुपय

अनुबन्ध-4

गारंटी बांध

(आस्ट्रियन पूँजीगत माल साल 1979 के अन्तर्गत माल आयात करने
की प्रक्रिया के विविध बैंक द्वारा भेजा जाना है।

सेवा में,

भारत के राष्ट्रपति,

भारत के राष्ट्रपति (इसके बाव जिसे "सरकार" कहा गया है) के
लिए आस्ट्रियन साल 1979 की शर्तों के अन्तर्गत और उपर्युक्त समझौते
के मध्ये आयातक के नाम में..... को
जारी किए गए आयात लाइसेंस सं.....
के अनुसरण में..... द्वारा (इसके बाव जिसे "आयातक"

कहा गया है) के आयात के लिए आस्ट्रियन शिलिंग में भुगतान की व्यवस्था करने के लिए सहमत होते पर हम, बैंक आयातक के अनुरोध पर आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक द्वारा किए गए भुगतानों और उस बैंक को भुगतान किए जाने योग्य कमीशन और डाक बच्चे की धनराशि को मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित की सार्वजनिक सूचना सं०-१ आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 17-१-७६ में जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार या इस मामले में सरकार द्वारा समय-समय पर आधिकृति अनुदेशों के अनुसार परिकलित प्रबलित मिशित मुद्रा विनियम की दर पर सरकार के सेवे में जमा करने के लिए सूचना प्राप्ति की तारीख से 10 दिनों के भीतर विधि के अनुसार और भारत सरकार द्वारा संकेतित उचित लेखा प्राप्तों के मध्ये उक्त फैटिट के अलांकृत जमा करने की व्यवस्था करने के लिए बचत देते हैं और हम भी बचत देते हैं कि सार्वजनिक सूचना सं०-४८ आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 16-६-७६ में नियंत्रित दरों पर अर्थात् पहले 30 दिनों के लिए १०% की दर पर और विवेणी संभरक की भुगतान किए जाने की कास्तिक तारीख (इसमें दोनों तारीख शामिल हैं) से अधिक दिनों के लिए १५% की दर पर ब्याज जमा करेंगे।

2. हम (बैंक) यह भी बचत देते हैं कि आयातक द्वारा सरकार की समय-समय पर चुकाए जाने योग्य किसी भी प्रकार की बाकी रही धनराशि को चुकाए जाने में बाकीदारी पाये जाने पर सरकार समय-समय पर ऐसी अनुदेश जो रुपए से ज्यादा नहीं हैं या उसका कोई भी धन जो कुछ समय के बाकी रहा है और उसका आयातक द्वारा भुगतान किया जाना है, उसको जमा करने के लिए सरकार समय-समय पर जिस स्थान पर और जिस तरीके से जमा करने के लिए अनुदेश, दो तो हम सरकार को उसकी अति नहीं होने देंगे और उसे काति पूर्ति से द्वारा रखेंगे। तथा हम इसके साथ सरकार के द्वाते में समय-समय पर वास्तव में जमा करने की नियम संभरक को किए गए भुगतान की तिथि तक के लिए अर्जित प्रथम 30 दिनों के लिए १०% प्रति सैकड़ वार्षिक की दर से और इससे अधिक दिनों के लिए १५% रुपए प्रति सैकड़ वार्षिक की दर से उस पर ब्याज भी जमा करेंगे। आयातक द्वारा उल्लिखित भुगतान करने में किसी प्रकार की देर होने पर अधिक उसकी ओर से और सरकार की भुगतान किए जाने योग्य राशि के सम्बन्ध में जो राशि हमारे बैंक द्वारा दी जाती है, उस सम्बन्ध में सरकार द्वारा लिया गया नियम हमारे ऊपर अतिम और अनिवार्य होगा।

3. हम बैंक आगे इस बात पर सहमत होते हैं कि संविदा के अन्तर्गत मिसी जुटी दर में परिवर्तन होने पर आयात के मूल्य में बढ़ि होने से या अधूरे माल छुड़ाने की स्थिति में उसका मूल्य बढ़ जाने की स्थिति में जब से परिवर्तन हुआ है, उस परिवर्तन के अनुपात में बैंक गारंटी बांध की धनराशि को समाप्तिजित कर लिया जाएगा।

4. हम बैंक आगे इस बात पर सहमत होते हैं कि इस गारंटी में जो कुछ निहित है, वे उल्लिखित करार/संविदा के निष्पादन होने तक पूरी शक्ति और प्रभाव के साथ लागू होने और उसे तक तक कार्यान्वयित रखा जाएगा जब तक सरकार के अन्तर्गत या इस गारंटी में जमा बाला सारा बकाया देय पूर्ण रूपये कुकता न कर दिया गया हो और उसकी मात्रे पूरा न हो गई हों या उसमें न हो गई हो।

5. इसमें उल्लिखित गारंटी पर आयातक या दि बैंक के संविदा में किसी प्रकार का परिवर्तन होने से प्रभाव नहीं पड़ेगा और सरकार की यह पूर्ण स्वतन्त्रता होगी कि गारंटी को प्रभावित किए जिन आयातक और दि बैंक पर लागू होने योग्य किसी भी शक्ति को किसी समय या समय-समय के लिए स्थगित कर दिया जाएगा कि किसी भी धनराशि के मूल-

तान के सिए आयातक को आध्य कर सकती है और उपर्युक्त भासले के संदर्भ में या किसी कारणवश थोड़े समय के लिए आयात की या किसी अन्य स्थान जो दिया गया हो, इस गारंटी के अन्तर्गत सरकार द्वारा किसी प्रकार की स्वतंत्रता बरसी जाने पर यह अपनी जिम्मेदारी से उन्मुक्त महीं होगी, लेकिन इस व्यवस्था के लिए नियम या सरकार की ओर से दी गई शूट या आयातक पर किए गए किसी तरह से अनुग्रह हो या और कोई भासला या बात, जो भी हो, जो जमानतों से सम्बन्धित हो— बैंक पर इस प्रकार की जिम्मेदारियों के सिए उपर कथित उन्मुक्त का प्रभाव महीं पड़ेगा।

6. हम बैंक यह भार लेते हैं कि सरकार द्वारा लिखित में परामर्श पाए जिना, भुद्धा माल में इसकी गारंटी को रद्द नहीं करेंगे।

7. हम बैंक एकदृश्या भावेजनिक सूचना सं०-१५-ग्राई टी सी (पी एन) /७२ दिनांक २८-२-७२ और १०-ग्राई टी सी (पी एन) /७२, दिनांक २१-७-७२ और ८-ग्राई टी सी (पी एन) /७६ दिनांक १७-१-७६ और इसके बाद समय-समय पर जारी होने वाली ऐसी ही अन्य सार्वजनिक सूचनाओं की जाती के अनुसार प्रतिक्रिया धनराशि जमा करने का बचन देते हैं।

8. हम पोस्टल गारंटी के अन्तर्गत जपए (इसमें अवाज तथा कमीशन और अध्य प्रभार भी शामिल है, यदि कोई है तो इस गारंटी की धनराशि के १ प्रतिशत से ज्यादा होने की उम्मीद नहीं की जाती) तक इमारी जिम्मेदारी भीमित है और यह गारंटी दिन मास तक, जब तक इसकी तारीख से छः मास के भीतर लिखित रूप से इस गारंटी के अन्तर्गत भागे पूरी नहीं कर जी जाती, इसे लागू रखा जाएगा और जब तक उसके बाद दूसरे छः मास के भीतर अपर्याप्त तक उनकी भागों के सिए मुकदमाएँ या कांद-बाई लागू न हो जाएं, इस गारंटी के अन्तर्गत सरकार सभी प्रधिकारों से वंचित हो जाएंगी और हम लोग इसके अन्दर निहित जिम्मेदारियों से मुक्त और उन्मुक्त कर दिए जाएंगे।

..... दिनांक बासे श्री
(बैंक लिंग)

के द्वारा (नाम और छोहा) भारत के राष्ट्रपति के सिए और उनकी ओर से स्वीकृत।

हस्ताक्षर

*जिस तारीख की संभरकों की सभी भुगतान पूरा करने की आज्ञा हो उसमें एक मास जोड़ कर यह तारीख मानी जाएगी।

टिप्पणी :— (1) स्टाम्प पेपर का मूल्य जिसमें यह गारंटी कार्यान्वित होने वाली है, इसके मूल्य को भारतीय स्टाम्प धर्मनियम की धारा ३१ के अनुसार स्टाम्प कलक्टर के द्वारा आज निर्णित किया जाता है।

अनुदर्शन-३

प्रधान

- जिस आयातक/लाइसेंसधारी की ओर से बैंक गारंटी भेजी गई थी उसका नाम और पूरा पता।
- आयात लाइसेंस की संख्या और दिनांक एवं मूल्य।
- भेजी गई गारंटी की संख्या, दिनांक एवं धनराशि।

4. वित्त मंत्रालय से प्राप्त प्राधिकारपत्र के ब्यौरे :—

- प्राधिकारपत्र की संख्या एवं दिनांक
- प्राधिकार पत्र की धनराशि (प्रास्ट्रियन शिलिंग में)

5. प्रधानों किए आयातों एवं जमा किए गए उपयोगों के ब्यौरे :—

- संभरक का नाम
- उपर्युक्त (क) में उल्लिखित संभरक को चुकाई गयी आस्तविक धनराशि (प्रास्ट्रियन शिलिंग में)
- प्रास्ट्रियन नेशनल बैंक द्वारा संभरक को किए गए भुगतान की तारीख।
- जमा किए गए उपयोग की धनराशि :—

(1) संभरक को चुकाई गई प्रास्ट्रियन शिलिंग में सम-तुल्य पर @प्रास्ट्रियन शिलिंग = रुपए

- चुकाया गया आज
- जिस अवधि तक आज परिकलित किया गया है से तक
- कुल किया गया जमा।
- जमा करने का दिनांक और स्थान।
- राजकोष जालान की संख्या एवं दिनांक (इसे संबंधित किया जाता है) यदि राजकोष जालान पहले ही भेज दिया गया है तो उसकी संख्या एवं दिनांक का संदर्भ उल्लिखित किया जाए।

(7) यदि उपर्युक्त (घ) (4) में लिखित रूपया किमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा किया गया था तो ड्राफ्ट की संख्या दिनांक और धनराशि और आपके जिस पत्र के साथ यह महानेश्वराल, केन्द्रीय राजस्व को भेजा गया था उसके ब्यौरे का उल्लेख किया जाए।

6. प्रत्येक प्राधिकार पत्र के मद्दे प्रयुक्त एवं प्राप्तमुक्त शेष धनराशि (प्रास्ट्रियन शिलिंग में)।

7. इस सम्बन्ध में एक प्रमाणपत्र कि उपर्युक्त कंडिका-६ में संकेतित शेष धनराशि का उपयोग नहीं किया गया है और इसके लिए कोई पोतलादान नहीं किया गया है तथा उसे समाप्त हुआ समझा जाए।

(प्राधिकार हस्ताक्षर)

परिशिष्ट-II

प्रास्ट्रियन पूँजीगत माल केंटिट १९७९ के अस्तरंग निषी क्षेत्र आयातों के लिए लाइसेंस आरी करने के सिए तत्त्व

1. लाइसेंस १२ मास की प्रारम्भिक बैधता अवधि के लिए आरी किए जाएंगे किन्तु प्रास्ट्रियन संभरकों को पक्के आदेश लागत-जीमा-आड़ा/लागत तथा भाड़ा आधार पर दिये जाने चाहिए और इनकी प्रतिशत आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख से बार मास की अवधि के भीतर वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग को भेजी जाएं। “पक्के आदेश” का अर्थ है वह क्या आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा विवेशी संभरक को दिया गया हो और उसके साथ बाब वाले से पुष्टि पत्र भी लगाया गया हो या वह क्या आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी और विवेशी संभरक दोनों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हो। यदि पक्के आदेश बार मास की नियांत्रित प्रवधि के भीतर नहीं दिए जा सकते हैं तो लाइसेंसधारी को जीमा भी भासला हो सूख नियंत्रक, आयात-नियंत्रित (सी० सी० ग्राई, एच० ई०) या अध्य लाइसेंस प्राधिकारी को आदेश देने में समय बढ़ के लिए सुखाव भेजना चाहिए और उस सुखाव में उसे यह शीघ्रता देना चाहिए कि प्रारम्भिक बैधता अवधि के भीतर आदेश क्यों नहीं जा सके। आदेश देने की अवधि में समय बढ़ि से सम्बद्ध आवेदनों

लाइसेस प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक मामसे में गृण-दोष के प्राक्षार पर विचार किया जाएगा और वे प्रधिक से प्रधिक दो मास तक की और समय वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि समय वृद्धि आयात नाइसेस के जारी होने की तारीख से 6 मास परे के लिए मार्गी गई हो तो ऐसे आवेदन निरवाद रूप से नाइसेस प्राधिकरियों द्वारा प्रार्थित कार्य विभाग (आई ए अनुभाग) विन मन्त्रालय को भेजे जाएंगे। लाइसेस कोड “एम” और “एए” नाइसेस स० के बाद पहले और दिवारीय प्रत्य से संकेतित होने वालिए। महीने लाइसेस कोड का प्रयोग मार्गी लदान दस्तावेजों और साथ ही साथ “एस” प्रपत्र में किया जाना चाहिए जो रुपया निषेप करते समय भारतीय बैंक को भेजने अपेक्षित है।

2. केवल आस्ट्रियन न्यूज के पूजीगत माल ही इस क्रेडिट के अन्तर्गत वित्तान के लिए पत्र है।

3. लाइसेस भारत से प्रेषणों के लिए बैंध नहीं होगा। आस्ट्रियन संभरकों की भुगतान नीचे की कठिका 6 से 10 में निर्धारित कियाविधि के अनुसार ही किए जा सकते हैं।

4. भारतीय आयातक और आस्ट्रियन संभरक के बीच संभरण-संविदा में लाइसेस शर्तों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आस्ट्रियन पूजीगत माल क्रेडिट 1979 में से आयातों के वित्तान के लिए व्यवस्था होनी चाहिए और यह भारत सरकार द्वारा अनुमोदन के भी प्रधीन होनी चाहिए। आयातकों को इस बात का विचार आपन रखना चाहिए कि वे इस गर्त के बारे में संभरकों को सूचित कर दें और इस संबंध में संभरण संविदा में भी एक धारा जोड़ दें। इसके प्रलापा अनुमोदित आवेश वित्त मंत्रालय, प्रार्थित कार्य विभाग (आईए० अनुभाग) की पूर्व अनुमति के बिना रह नहीं किए जाने चाहिए।

5. संविदा का मूल्य केवल आस्ट्रियन शिलिंग में ही व्यक्त किया जाना चाहिए। संविदा में सामान्यतः लदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करते पर आस्ट्रियन पूजीगत माल क्रेडिट 1979 में से नकद भुगतान के लिए व्यवस्था होनी चाहिए। किसी भी प्रयोगत निष्पादन गारन्टी के लिए संभरक को बैंक गारन्टी प्रस्तुत करने के लिए कहा जा सकता है।

6. संविदा पूर्ण हो जाने के सुरक्ष बावध आयातक को संविदा के लिए आस्ट्रियन आधिकारियों का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए वित्त मंत्रालय, प्रार्थित कार्य विभाग, आईए० अनुभाग से अनुरोध करना चाहिए। इस आवेदन के साथ संविदा/संभरण आरेय की जारी फोटो स्टेट/प्रमाणित प्रतियां और आयात लाइसेस की एक फोटो स्टेट प्रति और अनुमोदित अनुसूचित बैंक से संलग्न प्रपत्र (अनुबन्ध- 4) में एक बैंक गारन्टी जिसमें भी कठिका 8 में विशिष्टकृत घनराशि को जमा करने की सहमति हो भेजी जानी चाहिए। बैंक गारन्टी में बाब टिप्पणी का सब्ली से अनुपालन करने के लिए उसे भनी-भाति नोट कर लेना चाहिए। संविदा/संभरण आरेय के साथ निम्नलिखित सूचना भी प्रार्थित कार्य विभाग को भेजी जानी चाहिए।

(1) आवात लाइसेस के विस्तृत ब्लॉरे

(क) स०

(ख) जारी करने की तारीख

(ग) मूल्य

(2) आयातक का नाम और पता

(3) आस्ट्रियन संभरक का नाम और पता

(4) आस्ट्रियन शिलिंग में संविदा/आवेश का मूल्य

(5) आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण

(6) संभरण की नारीख (संभरकों की भुगतान की राशि और संभावित तारीख की वर्णने हुए एक संक्षेपी भी भेजी जाए)

(7) सदान दस्तावेज की विस्तृत सूची, जैसे अवतरण बिल, बोजक, उदागम प्रमाण पत्र आदि जिसकी माग आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक संभरकों से भुगतान करने से पूर्व करे और इसके साथ साथ प्रत्येक दस्तावेज के लिए अपेक्षित प्राप्तियां

(8) यदि कोई हो तो संविदा में शामिल किया गया भारतीय प्रधिकर्ता का कमीशन (अनुराधि या प्रतिशत का संकेत किया जाना है) (आयातक द्वारा भारतीय प्रधिकर्ता का कमीशन रूप से किया जाएगा और उसे प्राधिकार पत्र के मूल्य में नहीं शामिल किया जाएगा)

(9) भारत में आवातक के बैंक का नाम

(10) विशेष अनुदेश यदि कोई हो

7. उपर्युक्त कठिका 6 में अपेक्षित संविदा संभरण आवेश की प्रतिधीं और जानकारी प्राप्त होने के बाद प्रार्थित कार्य विभाग संविदा की एक प्रति आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक, विधान को भेजेगा और इसके साथ लदान दस्तावेजों के मद्देन संभरकों के लिए भुगतान प्राधिकृत करते हुए एक प्राधिकार (अनुबन्ध 1 में दर्शाए गए प्रपत्र के रूप में) भी भेजेगा।

8. आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक से लदान और अन्य दस्तावेजों की पावती के 10 दिनों के भीतर आयातक का बैंक नीचे कठिका 9 में यथा संकेतित सरकार के लेखों में संभरकों को भवा की गई अनुराधि के बराबर रूप से और इसके साथ विदेशी संभरकों को भुगतान की तारीख से बास्तविक निषेप की तारीख तक (वोनों दिनों को लेते हुए) सार्वजनिक सूचना स० 46-प्राईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 16-6-1976 में यथा निर्धारित प्रथम 30 दिनों की अवधि के लिए 9% की दर से और 30 दिनों से अधिक अवधि के लिए 15% की दर से आवाज को जमा करने की व्यवस्था करेगा। इस प्रयोजन के लिए आस्ट्रियन शिलिंग में किए गए सुनातान सार्वजनिक सूचना स० 15-प्राईटीसी (पीएन)/72 दिनांक 28-1-1972 और सार्वजनिक सूचना स० 108-प्राईटीसी (पीएन)/72 दिनांक 21-7-1972 और सार्वजनिक सूचना स० 8-प्राईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 17-1-1976 में निहित शर्तों के अनुसार रूप से परिवर्तित करने होंगे। इस दर में कोई परिवर्तन होने पर उसे जब आवायक समझा जाएगा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से प्रधिसूचित कर दिया जाएगा। आयातक को चाहिए कि वह अनुराधि को जमा करने के लिए सहमत होते हुए अनुबन्ध-4 में वर्णाए गए प्रपत्र में भनुमोहित अनुसूचित बैंक से एक बैंक गारन्टी भेजे। बैंक गारन्टी की घनराशि को जमा करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम की दर वही होगी जो आयात लाइसेस पर संकेतित होनी। बैंक गारन्टी में पाद टिप्पणी का सब्ली से अनुपालन करने के लिए उसे भासी भासि नोट कर लेना चाहिए। इस बात का सुनिश्चय करने की आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय घनराशि पाठ्यांकों को आयात दस्तावेज सौपते से पूर्व सरकार के लेखों में सही रूप से जमा करवा दी जाती है। आयातक को इस बात का भी सुनिश्चय करना चाहिए कि अपने बैंकसे दस्तावेजों की सुपूर्धी लेने से पूर्व घनराशि सरकार के लेखों में सही रूप से जमा करवा दी जाती है।

9. उपर्युक्त कठिका 8 के अन्तर्गत आवेदन बाले निषेप सार्वजनिक सूचना 233-प्राईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 24 अक्टूबर 1968 और सार्वजनिक सूचना स० 132-प्राईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5 अक्टूबर 1971 में यथा निर्धारित सरकार के लेख में क्रेडिट के लिए नकद में या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में किए जा सकते हैं या ये निषेप भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली-6 के अधिकर्ता के नाम में वर्णनी हुनी के माध्यम से किए जा सकते हैं। जिस सेवा भार्या के अधीन निषेप किया जाएगा वह स

प्रकार है “के—चिपोजिट्रो मैड एड्ज्युकेशन (ख) रिपोजिट नाट बिलिंग इन्स्ट-843 सिविल डिपोजिट्रो—डिपोजिट्रो फार परचेजिम एक्सेट्रा अक्साड-परचेजिम अन्डर आस्ट्रियन कैपिटल गुडम क्रेडिट, 1979”।

राजकोष चालान में निम्नलिखित घोरे निरपेक्षात रूप से भरने चाहिए [सार्वजनिक सूचना सं 74-आईटीसी (पीएन)/74 विनांक 31-5-1974 भी देखें जिसमें परिचोषित चालान प्रपत्र निर्धारित किया गया है जो निरपेक्षात रूप से ऐसे प्रेषणों के लिए उपयोग में लाना चाहिए]।

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की सं० तथा दिनांक—
आस्ट्रियन पूँजीगत मास क्रेडिट, 1979।

(ख) विदेशी मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में आनार्द, गई प्रतिवर्तन की दर के साथ रुपया निक्षेप किया जाने है।

(ग) विदेशी संभरकों को भुगतान की तारीख

(घ) प्रदा की गई धनराशि का व्याज और उसकी गणना किस ग्रन्थि तक की गई है।

(ङ) निक्षेप की गई कुल धनराशि

[व्याज की गणना संभरकों को भुगतान करने की तारीख से संगकार के लेखे में समतुल्य रुपया जमा करने तक की ग्रन्थि (दोनों को लेते हुए) के सिए की जानी है।]

10. भारतीय रिजर्व बैंक में या भारतीय स्टेट बैंक तीम हजारी दिल्ली से चालान की एक प्रति या भारतीय स्टेट बैंक, तीम हजारी के पाम वर्षीय हुन्ही (हिमांड ब्रॉफ) जमा करने के बारे में सूचना आयातक के उम बैंक के द्वारा सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षक नियंत्रक, प्राधिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, जीवन द्वीप बिलिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 को भेजी जानी चाहिए जिसने बैंक गारंटी जारी की थी और इसके साथ एक ग्रन्थित पत्र भी भेजा जाना चाहिए जिसमें आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक से प्राप्त परामर्श टिप्पणियों के पूर्ण घोरे वर्णण जाए।

11. आयातकों के लिए यह ग्रन्थित रूपया कि वे अपेक्षित रूपया निक्षेप केवल प्राधिकृत आयातियों के माध्यम से ही करें और सार्वजनिक सूचना सं 184-आईटीसी (पीएन) 68 विनांक 30 अगस्त, 1968 में यथा आवश्यक लाइसेंस की मुद्रा विनियम प्रति पर उससे पृष्ठांकन भी करा ले। उन्हें यह भी चाहिए कि वे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित अपेक्षित “एस” प्रपत्र को भरें।

12. लाइसेंस के अन्तर्गत आयात पूर्ण हो जाने के बाद और आयातक के बैंकसे द्वारा सरकार के लेखे में सभी देश धनराशि जमा करने के बाव प्राप्त आयातों से और जमा किए गए गए गए के घोरे अनुबंध-5 में निर्धारित प्रपत्र में महायाता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग नई दिल्ली-110001 को भेजे जाने चाहिए जिससे कि जहां आवश्यक हो वित्त मंत्रालय आयातकों द्वारा भेजी गई बैंक गारंटियों का सत्यापन कर सके और उन्हें रिहा करते के लिए व्यवस्था कर सके। आयातकों का यह भी उत्तरदायित होगा कि वे अनुबंध-3 में वर्णिए गए प्रपत्र में एक तिमाही उपयोग रिपोर्ट वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग, आई-ए-प्राप्तमान और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग, नई दिल्ली-110001 को भेजें।

13. इसे भली भांति से जान लेना चाहिए कि यदि लाइसेंसधारी और संभरक के बीच में किसी प्रकार झगड़ा हो जाता है तो भारत की सरकार इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराए जाएगी।

14. आयात लाइसेंस या उपके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित आस्ट्रियन पूँजीगत मास क्रेडिट 1979 के अधीन सभी आभारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निवेशों या अनुदेशों या आवेदनों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा। आयात अनुबंध-3 के अनुसार एक तिमाही रूपोंट भी (यों प्रतियों में) वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग (आई-ए-

अनुभाग) और समाप्तना लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग, जीवन द्वीप बिलिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 को भेजेगा।

15. उपर्युक्त बांधों में निर्धारित की गई शर्तों के अनुकरण या उल्लंघन करने पर आयात-नियंत्रित (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

अनुबन्ध—1

मिमिल सं०

भ.रन सरकार

वित्त मंत्रालय

(प्राधिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक :

प्रबंधक,

आस्ट्रियन नेशनल बैंक,

प्रौदी बागतर ब्लैट्ट 3,

विद्यान-IX (आस्ट्रिया)

प्रिव श्री,

आस्ट्रियन पूँजीगत मास क्रेडिट 1979-प्राधिकार पत्र मं०

हमें के मध्ये आस्ट्रियन शिला के लिए यर्जी द्वारा सर्वश्री को दिए गए धारों मं० वित्तक के संदर्भ की ओर आपका ध्यान विलाना है। हम एकद्वारा आपके संतुष्ट विश्वास में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार सर्वश्री को आस्ट्रियन शिला (..... आस्ट्रियन शिला) तक की धनराशि का भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करने हैं। अनुरोध है कि सर्वश्री द्वारा प्रस्तुत किए गए वीजक, नवान संबंधी और धन्य दलानेज सीवे ही (बैंक) को भेजे जाएं।

2. अपर्युक्त पैरा 1 में बताई गई धनराशि, भारत सरकार और आस्ट्रियन संघीय सरकार के बीच दिनांक 1 फरवरी, 1980 को हुए समझौते के अनुच्छेद 2 और 3 में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार भारत सरकार द्वारा चुकाई जाएगी।

3. कुपया हम साथ-समय के मध्ये किए गए भुगतानों के घोरे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग, सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय नई दिल्ली को भेजे जाएं और उन्हें लदान और धन्य निर्धारित दस्तावेजों की एक प्रति के साथ नामे डालने के लिए सूचता भी भेजी जानी चाहिए।

4. यह प्राधिकार पत्र दिनांक मास 198 तक वध रहेगा।

भवीत,

()

जानकारी के लिए प्रति निम्नलिखित का प्रेषित :-

1. (बैंक)
उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 15-आईटीसी (पीएन)/72 विनांक 28 जनवरी, 1972, सार्वजनिक सूचना सं० 108-आईटीसी (पीएन)/72, दिनांक 21 जुलाई, 1972, सार्वजनिक सूचना सं० 8-आईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 17-1-1976 और समय-समय पर जारी की जाने वाली ऐसी ही धन्य सार्वजनिक सूचना में निश्चित मिशन दर पर गणना किए गए रूपए की समतुल्य धनराशि और उसके साथ उस पर संभरक को भुगतान करने की नियम से सरकारों लेखे में धनराशि जमा

करने की नियत तक के लिए सार्वजनिक सूचना सं. 46-प्राई टी सी (पीएस)/76 दिनांक 16-6-1976 में दी गई दर पर व्यापार आयातक की मूल इस्तमाल रिहा करने से पूर्व जमा करा दी गई है।

2

3.

4.

“आस्ट्रियन पूँजीगत माल साल 1979” समझौता दिनांक 1 फरवरी, 1980 के अन्तर्गत आस्ट्रियन नेशनल बैंक, विवात को वित्त संसाधन, आर्थिक कर्तव्य विभाग, नई विनीती भुगत आया किए जल्द आधिकार वाले सं. — के अंतर्गत भुगतानों के लिए जाने:—

— का आदेश
— के नाम
में की अवधारणा
निम्ननिविष्ट दस्तावेजों के प्रमुखीकरण के मद्देन देय है:—
— का भोत्तदाता पूरा
करने के लिए मूल्य:
विवरण की जाति: (उदाहरणार्थ जहाज पर्यावरण निःशुल्क, सामान एवं भाषा, लागत-धीमा-भाषा)

विवरण के लिए मात्र:

आर्थिक भोत्तदानों की अनुमति/तिवेद है।

विवेद प्रमुदेश:

(उदाहरण के लिए शीजक की अवधारणा का 100% एकदम भुगतान नहीं किया जाना है)

अनुबन्ध-2

आस्ट्रियन पूँजीगत माल साल 1979 के संबंध में उपयोग रिपोर्ट का प्रपत्र

(प्रत्येक लाइसेंस के संबंध में अलग-अलग भेजा जाना है)

1. आयातक का नाम
2. आयात लाइसेंस की संख्या एवं वित्तीक
3. आयात लाइसेंस का मूल्य
4. दिए गए आदेशों का मूल्य
5. प्रभी रिए जाने वाले आदेशों का मूल्य
6. पहले ही रिए गए आदेशों के मध्ये किया गया भुगतान
7. प्रभी किए जाने वाले भुगतान (मूल एवं भुगतान की संभवित नियत के मात्र भुगतानों के तिमाही भ्रमान के मात्र)
8. आर्थर्पण, यदि कोई हो,

आयातक के प्रांशुकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर

अनुबन्ध-3

आस्ट्रियन पूँजीगत माल साल 1979 के अंतर्गत उपयोग का तिमाही रिपोर्ट को दर्शाने वाला विवरण

1. आयातक का नाम
2. आयात लाइसेंस की संख्या एवं वित्तीक
3. आयात लाइसेंस का मूल्य
4. प्रांशुकृत पत्र की संख्या एवं दिनांक

5. प्रांशुकृत पत्र की धनराशि

6. प्रांशुकृत पत्र की वैधता की नियत

7. विवात गम आदेशों का मूल्य

8. तिमाही के शेषाल उपयोग में राशी गई

अवधारणा

आस्ट्रियन विविच्छिन्न

9. उपयोग में लाई गई कुल धनराशि

आस्ट्रियन विविच्छिन्न

10. मरकारी नेत्रों में जब तक गई कुल धनराशि राशि

11. आदावाली तिमाही के दौरान किए जाने

भुगतान (तिमाही वाले अनुबन्ध)

12. अन्वर्षण, यदि कोई हो।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 30—ITC(PN)/80

New Delhi, the 23rd July, 1980

Subject : Licensing conditions in respect of Public Sector and Private Sector Imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1979.

F. No. IPC/23/4/80.—The terms and conditions governing the assurance of import licences under the Austrian Capital Goods Credit 1979 as given in Appendices I and II to this Public Notice are notified for information.

MANI NARAYANSWAMI,
Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX I

Conditions for Licensing Public Sector Imports under The Austrian Capital Goods Credit, 1979

1. The Licence will be issued with a validity period of twelve months but firm orders on C.I.F./C.&F. basis must be placed on the Austrian suppliers and copies of the same furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs within six months from the date of allocation or four months from the date of issue of the import licence (whichever is earlier). The term 'firm order' means a purchase order placed by the Indian licensee on the foreign supplier duly supported by confirmation from the latter or a purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the foreign supplier. If firm orders cannot be finalised within the time limit of four months, the licensee should submit to the Chief Controller of Imports and Exports (C.C.I.&E.) or other licensing authorities, as the case may be, a proposal seeking an extension in the ordering period along with justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such requests for extension in the ordering period will be considered on the merits of each case by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 2 months. If, however, extension is sought beyond 6 months from the date of issue of import licence, such proposal should invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (I.A. Section), Ministry of Finance. The licence codes "S" and "AA" should be indicated in the first and second suffix after the licence number. The correct licence code should be used in all the shipping documents as well as in the "S" form required to be furnished to the Indian Bank at the time of making rupee deposits.

2. Only capital goods of Austrian origin are eligible for being financed under this credit.

3. The licence will not be valid for remittances from India. Payments to the Austrian suppliers can be made only in accordance with the procedure set forth in paragraphs 6—10 below.

4. The contract of supply between the Indian Importer and the Austrian Supplier should provide for the import being financed out of the Austrian Capital Goods Credit 1979 in accordance with the procedures set forth in the Licensing Conditions, and should also be made subject to approval by the Government of India. Importers should take special care to inform the Suppliers about this condition and also incorporate a clause to this effect in the supply contract. Moreover, approved orders should not be cancelled without prior concurrence of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (I.A. Section).

5. The value of the contract should be expressed in Austrian Schillings only. The contract should normally provide for cash payment out of the Austrian Capital Goods Credit 1979 on presentation of shipping documents. For any customary performance guarantee, the Suppliers could be asked to furnish a bank guarantee.

6. Soon after the contract is conducted, the importer should request the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, I.A. Section, to obtain the approval of the Austrian authorities to the contract. This request should be accompanied by four photostat/certified copies of the Contract/Supply Order and a photostat copy of the Import Licence. The following information should also be sent to the Department of Economic Affairs along with the contracts/supply order—

(i) Details of the Import Licence—

(a) Number—

(b) Date of Issue—

(c) Value—

(ii) Name and Address of the Importer.....

(iii) Name and Address of the Austrian Suppliers.....

(iv) Value of the contract/order in Austrian Schillings...

(v) Short description of the goods to be imported.....

(vi) Time for delivery (A schedule indicating probable dates and amounts of payments to the supplier may also be given).

(vii) Detailed list of shipping documents, like Bill of Lading, Invoices, certificate of Origin, etc., which the Austrian National Bank should demand from the Suppliers before making payment, together with the number of copies of each document required...

(viii) Indian Agents' Commission, if any, included in the contract (Amount or percentage to be indicated). (The Indian Agents Commission will be payable by the Importer in rupees and will not be included in the value of the Letter of Authority).

(ix) Branch of any Nationalised Bank to which the original documents (negotiable) should be sent by the Austrian National Bank.

(x) Date upto which the Letter of Authority to the Austrian National Bank should be valid.

(xi) Special instructions, if any.....

7. On receipt of the copies of the contract/supply order, and the information required in paragraph 6 above, the Department of Economic Affairs (I.A. Section) will forward a copy of the contract to the Austrian National Bank, Vienna together with a Letter of Authority (in the form at Annexure-I) authorizing payment to the suppliers against shipping documents.

8. Within 10 days of the receipt of shipping and other documents from the Austrian National Bank, the importers' Bank shall arrange to deposit into Government account as indicated in para 9 below, the rupee equivalent of the amount disbursed to the Suppliers together with interest at the rates prescribed in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976 i.e. 9 per cent for first 30 days and 15 per cent for the period in excess thereof from the date of payment to the foreign supplier to the date of actual deposits (both days inclusive). For this purpose, the payments made in Austrian Schillings will have to be converted into rupees as 490GT/80—2

per instructions contained in Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28-1-1972, Public Notice No. 108-ITC(PN)/72 dated 21-7-1972 and Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976. Any change in this rate of conversion will be notified through Public Notice as and when necessary. It will be the responsibility of the bankers to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the parties. The importer should also ensure that the amounts are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

9. The deposit envisaged in para 8 above may be made in cash either at the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or the amount may be remitted through a demand draft drawn on and in favour of the Agent, State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 233-ITC(PN)/68 dated the 24th October, 1968 and Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5th October, 1971. The head of account to be credited is "K-Deposits and Advances (b) Deposits not bearing interest—843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc abroad—Purchases under Austrian Capital Goods Credit, 1979".

In the treasury challans, the following particulars should invariably be furnished (vide also Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974) prescribing the revised challan form which should invariably be used for these remittances.

- (a) Ministry of Finance Letter of Authority No. and Date —Austrian Capital Goods Credit, 1979.
- (b) Amount of foreign currency in respect of which rupee deposits are to be made together with the rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the foreign suppliers.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the suppliers upto the date of deposit of rupee equivalents into Government Account) (both days inclusive).

10. One copy of the Challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 should be sent by Importer's Bank to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, along with a forwarding letter, giving full details of the Advice Notes received from the Austrian National Bank.

11. It will be obligatory for the importers to make the requisite rupee deposits through authorised dealers only and also to get the exchange control copy of the licence endorsed by them, as required in Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated 30th August, 1968. They should also fill in the requisite "S" forms as prescribed by the Reserve Bank of India.

12. It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the supplier.

13. The licensee shall promptly comply with any directions, instructions, or order issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Austrian Capital Goods Credit 1979. The importer will also furnish a quarterly report (In duplicate) as per Annexure II to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (I.A. Section) and the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, as per Annexure-III.

14. Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

ANNEXURE I

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the _____

The Manager,
 Austrian National Bank,
 Otto Waagner Platz 3,
 Vienna-IX (Austria).

Dear Sir,

AUSTRIAN CAPITAL GOODS CREDIT 1979—
 LETTER OF AUTHORITY NO.

We are to invite a reference to the order No. _____ dated the _____ placed by M/s. _____ on M/s. _____ for Austrian Schillings _____ on account of _____. We hereby authorise you to pay to M/s. _____ a sum not exceeding Austrian Schillings _____ (Austrian Schillings _____) in accordance with the terms and conditions stipulated in the enclosed statement. It is requested that the invoices, shipping and other documents presented by M/s. _____ be despatched direct to the _____ (Bank).

2. The amount referred to in paragraph 1 above will be repaid by the Government of India in accordance with the terms and conditions laid down in Articles 2 and 3 of the Agreement dated 1st February, 1980 between the Government of India and the Austrian Federal Government.

3. The details of payments made against this Letter of Authority may kindly be intimated to the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Office of the Controller of Aid Accounts and Audit, New Delhi to whom the debit advices along with a copy of the shipping and other stipulated documents should be sent.

4. This authority will remain valid upto the _____ day of _____, 198.

Yours faithfully,
 ()

Copy forwarded for information to:—

1. (Bank) They should ensure that the rupee equivalent calculated at the composite rate prescribed in Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28th January, 1972, Public Notice No. 108-ITC(PN)/72, dated the 21st July, 1972, Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and such other Public Notices that may be issued from time to time together with the interest thereon at the rates prescribed in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976 from the date of payment to the suppliers to the date of deposit of the amount into Government Account is deposited before releasing the original documents to the Importer.
- 2.
- 3.
- 4.

Conditions for payments under Letter of Authority No. _____ issued by Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi to Austrian National Bank, Vienna under the "Austrian Capital Goods Credit 1979" Agreement dated 1st February, 1980:—

Order of _____

in favour of _____

amount _____

payable against presentation of the following documents covering shipment of :

Price :

term of delivery : (e.g. f.o.b., c. & f., c.i.f.)
 time for delivery :

partial shipments are permitted/prohibited.

Special instructions :

(for example that not 100 per cent of the Invoice amount is to be paid at once.)

ANNEXURE II

Form of Utilisation Report in Respect of Austrian Capital Goods Credit 1979.

(for example that not 100 per cent of the Invoice amount

1. Name of the Importer.
2. Number and Date of Import Licence.
3. Value of the Import Licence.
4. Value of orders placed.
5. Value of orders yet to be placed.
6. Payments made against the orders already placed.
7. Payments yet to be made (with a quarterly estimate of payments with values and anticipated dates of payment).
8. Surrenders, if any.

Signature of the authorised officer of the Importer.

ANNEXURE III

Statement Showing Quarterly Report on Utilisation under Austrian Capital Goods Credit 1979.

1. Name of Importer.
2. No. and date of Import Licence.
3. Value of Import Licence.
4. Letter of Authority No. and date.
5. Amount of Letter of Authority.
6. Date of validity of Letter of Authority.
7. Value of orders placed.
8. Amount utilised during the quarter. A. Sch.
9. Total amount utilised A. Sch.
10. Total Amount deposited into Government Account. Rs.
11. Payment expected to be made during the subsequent quarters (give figures—Quarter-wise).
12. Surrenders, if any.

APPENDIX II

Conditions for Licensing Private Sector Imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1979

1. The licence will be issued with a validity period of twelve months but firm orders on C.I.F./C. & F. basis must be placed on the Austrian suppliers and copies of the same furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs within four months from the date of issue of the import licence. The term 'firm order' means a purchase order placed by the Indian licensee on the foreign supplier duly supported by confirmation from the latter or a purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the foreign supplier. If firm order cannot be finalised within the time limit of four months, the licensee should submit to the Chief Controller of Imports & Exports (C.C.I. & E.) or other licensing authorities, as the case may be, a proposal seeking an extension in the ordering period alongwith justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such request for extension in the ordering period will be considered on the merits of each case by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 2 months. If, however, extension is sought beyond 6 months from the date of issue of import licence, such proposal should invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Indian Aid Section), Ministry of Finance. The licence codes 'S' and 'AA' should be indicated in the first and second suffix after the licence number. The correct licence code should be used in all the shipping documents as well as in the "S" form required to be furnished to the Indian Bank at the time of rupee deposits.

2. Only capital goods of Austrian origin are eligible for being financed under this credit.

3. The licence will not be valid for remittances from India. Payments to the Austrian Suppliers can be made only in accordance with the procedure set forth in paragraphs 6—10 below.

4. The contract of supply between the Indian Importer and the Austrian Supplier should provide for the import being financed out of the Austrian Capital Goods Credit, 1979 in accordance with the procedures set forth in these Licensing Conditions, and should also be made, subject to approval by the Government of India. Importers should take special care to inform the Suppliers about this condition and also incorporate a clause to this effect in the supply contract. Moreover, approved orders should not be cancelled without prior concurrence of the Ministry of Finance Department of Economic Affairs.

5. The value of the contract should be expressed in Austrian Schillings only. The contract should normally provide for cash payment out of the Austrian Capital Goods Credit, 1979 on presentation of shipping documents. For any customary performance guarantee the Suppliers could be asked to furnish a bank guarantee.

6. Soon after the contract is concluded, the importer should request the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Indian Aid Section, to obtain the approval of the Austrian authorities to the contract. This request should be accompanied by four photostat/certified copies of the Contract/Supply Order; a photostat copy of the Import Licence and a Bank Guarantee from an approved scheduled bank in the form attached (Annexure-IV) agreeing to deposit the amounts specified in paragraph 8 below. The footnote under the Bank Guarantee form should be noted for strict compliance. The following information should also be sent to the Department of Economic Affairs (I.A. Section) along with the contract/Supply Order—

- (i) Details of the Import Licence—
 - (a) Number—
 - (b) Date of issue—
 - (c) Value—
- (ii) Name and Address of the Importer.....
- (iii) Name and Address of the Austrian Supplier.....
- (iv) Value of the contract/order in Austrian Schillings.....
- (v) Short description of the goods to be imported.....
- (vi) Time for delivery (A schedule indicating probable dates and amounts of payments to the supplier may also be given).
- (vii) Detailed list of shipping documents, like Bill of Lading, Invoices, certificate of Origin, etc., which the Austrian National Bank should demand from the Suppliers before making payment, together with the number of copies of each document required.....
- (viii) Indian Agents' Commission, if any, included in the contract (Amount or percentage to be indicate). (The Indian Agents' Commission will be payable by the Importers in rupees and will not be included in the value of the Letter of Authority).
- (ix) Name of the Importer's Bank in India.....
- (x) Special instructions, if any.....

7. On receipt of the copies of the contract/supply order, the Bank Guarantee and the information required in paragraph 6 above, the Department of Economic Affairs will forward a copy of the contract to the Austrian National Bank together with a Letter of Authority (in the form at Annexure-I) authorising payment to the suppliers against shipping documents.

8. Within 10 days of receipt of shipping and other documents from the Austrian National Bank, the importers' Bank shall arrange to deposit into Government account as indicated in para 9 below, the rupee equivalent of the amount disbursed to the Suppliers together with interest at the rate prescribed in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-76 i.e. 9 per cent for first 30 days and 15 per cent for the period in excess thereof from the date of payment to foreign Supplier to the date of actual deposit (both days inclusive). For this purpose, the payments made in Austrian Schillings will have to be converted into Rupees as per instructions contained in Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28-1-1972, Public Notice No. 108-ITC(PN)/72 dated

21-7-1972 and Public Notice No. 8-ITC(PN)/75 dated 17-1-76. Any change in this rate of conversion will be notified through Public Notice as and when necessary. The importer should furnish a Bank Guarantee from an approved Scheduled Bank in the form in Annexure-IV agreeing to deposit the amount. The rate of exchange to be adopted for working out the amount of the Bank Guarantee should be the same as indicated on the import licence.

The footnote under the Bank Guarantee form should be noted for strict compliance. It will be responsibility of the bankers to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the parties. The importer should also ensure that the amounts are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

9. The deposit envisaged in para 8 may be made in cash either at the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or the amount may be remitted through a Demand Draft drawn on and in favour of the Agent, State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 233-ITC(PN)/68 dated 24th October, 1968 and Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5th October, 1971. The head of account to be credited is "K-Deposits and Advanced (b) Deposits not bearing interest—843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad—Purchases under Austrian Capital Goods Credit, 1979."

In the treasury challans, the following particulars should invariably be furnished (vide also Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974) prescribing the revised challan form which should invariably be used for these remittances.

- (a) Ministry of Finance Letter of Authority No. & Date Austrian Capital Goods Credit, 1979.
- (b) Amount of foreign currency in respect of which rupee deposits are to be made together with the rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the foreign suppliers.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the suppliers upto the date of deposit of rupee equivalents into Government Account (both days inclusive).

10. One copy of the Challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 should be sent by Importer's Bank, which has issued the Bank Guarantee to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001 along with a forwarding letter giving full details of the Advice Notes received from the Austrian National Bank.

11. It will be obligatory for the importers to make the requisite rupee deposits through authorised dealers only and also to get the exchange control copy of the licence endorsed by them as required in Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated 30th August, 1968. They should also fill in the requisite "S" forms as prescribed by the Reserve Bank of India.

12. After the imports under a licence are completed and the Importer's bankers have deposited into Government Account all the amount due details of the import received and the rupee deposits made should be furnished to the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi-110001 in the proforma prescribed in Annexure V to enable the Ministry of Finance to verify and arrange for release of the Bank Guarantees furnished by the importers wherever necessary. The importers will also be responsible to furnish a utilization report in the form in Annexure-III quarterly to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, I.A. Section and the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi-110001.

13. It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the supplier.

14. The licensee shall promptly comply with any directions, instructions, or order issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Austrian Capital Goods Credit, 1979. They will also furnish a quarterly report (in duplicate) to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Indian Aid Section as per Annexure-III attached.

15. Any breach or violation of conditions set forth in the above clause will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

ANNEXURE I

No. F.

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the _____

The Manager,
Austrian National Bank,
Otto Waagner Platz 3,
Vienna-IX (Austria).

Dear Sir,

AUSTRIAN CAPITAL GOODS CREDIT 1979— LETTER OF AUTHORITY NO.

We are to invite a reference to the order No. _____ dated the _____ placed by M/s. _____ on M/s. _____ for Austrian Schillings _____ on account of _____. We hereby authorise you to pay to M/s. _____ a sum not exceeding Austrian Schillings _____ (Austrian Schillings _____) in accordance with the terms and conditions stipulated in the enclosed statement. It is requested that the invoices, shipping and other documents presented by M/s. _____ be despatched direct to the _____ (Bank).

2. The amount referred to in paragraph 1 above will be repaid by the Government of India in accordance with the terms and conditions laid down in Articles 2 & 3 of the Agreement dated 1st February, 1980 between the Government of India and the Austrian Federal Government.

3. The details of payments made against this Letter of Authority may kindly be intimated to the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Office of the Controller of Aid Accounts & Audit, New Delhi to whom the debit advices alongwith a copy of the shipping and other stipulated documents should be sent.

4. This authority will remain valid upto the _____ day of _____, 198_____.

Yours faithfully,
()

Copy forwarded for information to :—

1. _____ (Bank) They should ensure that the rupee equivalent calculated at the composite rate prescribed in Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28th January, 1972, Public Notice No. 198-ITCS(PN)/72 dated the 21st July, 1972, Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and such other Public Notices that may be issued from time to time together with the interest thereon at the rates prescribed in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976 from the date of payment to the suppliers to the date of deposit of the amount into Government Account is deposited before releasing the original documents to the Importer.

- 2.
- 3.
- 4.

Condition for payments under Letter of Authority No. _____

_____ issued by Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi to Austrian National Bank, Vienna under the "Austrian Capital Goods Credit 1979" Agreement dated 1st February, 1980 :—

Order of _____
in favour of _____
amount _____

payable against presentation of the following documents :—
covering shipment of :

Price : _____
term of delivery : (e.g. f.o.b., c.&f., c.i.f.)
time for delivery : _____
partial shipments are permitted/prohibited.
Special instructions :
(for example that not 100 per cent of the Invoice amount is to be paid at once).

ANNEXURE II

Form of Utilisation Report in Respect of Austrian Capital Goods Credit, 1979

(to be furnished separately in respect of each licence)

1. Name of the Importer.
2. Number and Date of Import Licence.
3. Value of the Import Licence.
4. Value of orders placed.
5. Value of orders yet to be placed.
6. Payments made against the orders already placed.
7. Payments yet to be made (with a quarterly estimate of payments with values and anticipated dates of payment).
8. Surrenders, if any.

Signature of the authorised Officer of the Inspector.

ANNEXURE III

Statement Showing Quarterly Report on Utilisation Under Austrian Capital Goods Credit 1979

1. Name of Importer.
2. No. and date of Import Licence.
3. Value of Import Licence.
4. Letter of Authority No. and date.
5. Amount of Letter of Authority.
6. Date of validity of Letter of Authority.
7. Value of orders placed.
8. Amount utilised during the quarter.

A. Sch.

9. Total amount utilised.
10. Total Amount deposited into Government Account.
11. Payment expected to be made during the subsequent quarters (give figures Quarter-wise).
12. Surrenders, if any.

A. Sch.

R.s.

ANNEXURE IV

GUARANTEE BOND

(to be furnished by Banks under the Procedure for the import of goods under the Austrian Capital Goods Credit, 1979)

To

The President of India,

In consideration of the President of India (hereinafter called 'the Government') having agreed to arrange for payment in Austrian Schillings for the import of _____ by _____ (hereinafter called the 'importer') under the terms and conditions of the Austrian Credit, 1979 and in pursuance of Import Licence No. _____ issued on _____ in favour of the Importer against the above agreement, we _____ (Bank) at the request of the importer hereby undertake to arrange to deposit the amounts of the disbursements made by the Austrian National Bank and commission and postal charges payable to that Bank converted at the prevailing composite rate of exchange calculated as per instructions issued

in C.C.I. & E.'s Public Notice No. i-ITC(PN)/76 dated 17-1-76 or as notified by the Government in the matter from time to time within ten days of the receipt of advice of payment for credit to the Government account in the manner and against the appropriate Heads of Account as indicated by Government of India under the said credit together with interest at the rates prescribed in Public Notice No. 46-ITC (PN)/76 dated 16-6-76 i.e. at the rate of 9 per cent for first 30 days and 15 per cent for the period in excess of from the date of payment to foreign supplier to the date of actual deposits (both days inclusive).

2. We, the _____ (Bank) also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the importer of any sum that may be due and payable from time to time by the Importer to the Government at such place and in such manner as the Government may from time to time direct such sum not exceeding Rs. _____

or any part thereof for the time being due and payable by the Importer together with interest thereon at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period in excess thereof (vide Public Notice Ibid) accrued from the date of payment to the supplier to the date of actual deposit of the rupee equivalent in Government account. The decision of the Government as to any default in the said payment by the Importer or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us _____ (Bank), shall be final and binding on us _____ (Bank).

3. We, _____ (Bank) further agree that in case of increase in the value of import or increase in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange mentioned in para 1 above, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change takes place in proportion to this change.

4. We, _____ (Bank) further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during the period that would be taken for the performance of the said/agreement/contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under or by virtue of this guarantee have been fully paid and its claims satisfied or discharged.

5. The guarantee herein contained shall not be effected by any change in the constitution of the Importer or the (Bank), and the Government shall have the fullest liberty without affecting the guarantee to postpone for any time and from time to time any of the powers exercisable by it against the importer and either to enforce payment by the importer of any of the amounts the payment whereof is intended to be hereby secured and the _____ (Bank), shall not be released from its liability under the guarantee by any exercise by the Government of the liberty with reference to the matters aforesaid or by reason of time being given to the Importer or any other forbearance, act or omission on the part of the Government or any indulgence by the Government, to the Importer or by any matter or thing whatsoever which under the law relating to surities shall, but for this provision, have the effect of so releasing the _____ (Bank), from its such liability.

6. We, _____ (Bank) undertake not to revoke this guarantee during its currency except with previous consent of the Government in writing.

7. We, _____ (Bank), hereby undertake to make additional deposits in terms of Public Notices No. 15-ITC (PN)/72 dated 28th January, 1972 and No. 108-ITC(PN)/72 dated 21st July, 1972 and 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and such other Public Notices that may be issued from time to time hereafter.

8. Our liability under this and postal guarantee is restricted to Rs. _____ (plus interest and commission and postal charges, if any, not expected to exceed one per cent of the guaranteed amount) and this guarantee shall remain in force till the _____ day* of _____ (month), 19_____. Unless claims under this guarantee are made in writing within six

months of this date and unless a suit or action to enforce these claims is commenced within another six months thereafter, i.e. upto _____, all Government's rights under this guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Dated, the _____ day of _____
For _____ (Bank)

Accepted for and on behalf of
the President of India by
Shri _____

Name and Designation

Signature.....

*This date shall be arrived at by adding one month to the date by which all payments to the suppliers are expected to be finalised.

NOTE :—This value of the stamped paper on which this guarantee is to be executed, is to be adjudicated by the Collector of Stamps, under Section 31 of the Indian Stamps Act.

ANNEXURE V

PROFORMA

1. Name and full address of the importer/licencee on whose behalf the Bank Guarantee was furnished.
2. The import licence number and date and value.
3. Number, date and amount of the guarantee furnished.
4. Particulars of the Letter of Authority contained from the Ministry of Finance :—
 - (a) Number and date of the Letter of Authority;
 - (b) Amount of the Letter of Authority (in Austrian Schillings).
5. Particulars of Imports effected and rupee deposits made:
 - (a) Name of Supplier(s).
 - (b) Amount in Austrian Schillings actually paid to the Supplier(s) mentioned at (a) above.
 - (c) Date of payment to the supplier by the Austrian national Bank.
 - (d) Amount of rupee deposit :—
 - (i) Rupee equivalent of Austrian Schillings amount paid to the supplier @ 1 Austrian Schilling = Rs. _____.
 - (ii) Interest paid.
 - (iii) Period for which the interest has been calculated from _____ to _____.
 - (iv) Total deposit made.
 - (v) Date and place of deposit.
 - (vi) Number and date of the Treasury Challan (to be enclosed). If the Treasury Challan has already been sent, reference to the letter number and date with which it was sent may be quoted.
 - (vii) If the rupee deposit mentioned in (d)(iv) above was made by means of Demand Draft, the number, date, and amount of the draft and particulars of your letter with which it was sent to the Accountant General, Central Revenues, to be indicated.
6. Amount utilised and balance unutilised (in Austrian Schillings) against each Letter of Authority :—
7. A certificate that the balance indicated in 6 above, has not been utilised and no shipment has been made thereof, and the same may be treated as lapsed.

(Authorised signatures)

